शुक्रिया शुक्रिया मां

शुक्रिया शुक्रिया माँ तेरा शुक्रिया,
मैने मांगा जो उससे भी ज्यादा दिया।

मैने मांगा था माथे का टीका ओ माँ,
तूने सिन्दूर लगा कर सुहागन किया।
शुक्रिया शुक्रिया...

मैने मांगी थी माथे की बिन्दीया ओ माँ,
तूने चुनरि ओढा कर सुहागन किया।
शुक्रिया शुक्रिया...

मैने मांगी थी हाथों मे चूडियां ओ माँ,
तूने मेहंदी लगाकर सुहागन किया।
शुक्रिया शुक्रिया...

मैने मांगी थी पैरों मे पायल ओ माँ,
तूने महावर लगा कर सुहागन किया।
शुक्रिया शुक्रिया...

मैने मांगी थी सखियाँ सहेलियां ओ माँ,
तूने सैयां मिला कर सुहागन किया।
शुक्रिया शुक्रिया माँ तेरा शुक्रिया मैने मांगा जो उससे भी ज्यादा दिया।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34636/title/sukriya-sukriya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |